नैक द्वारा प्रत्यायित श्रेणी ''बी''

महाराणाप्रतापस्नातकोत्तरमहाविद्यालय

जंगल धूसड़-गोरखपुर

मो. : 7897475917, 9794299451

Website: www.mpm.edu.in

E-mail : mpmpg5@gmail.com

स्थापित २००५ ई.

पत्रांक : ..... दिनांक 14.11.2018

प्रकाशनार्थ

जंगल धूसड़। 14 नवम्बर। शैक्षणिक गुणवत्ता के साथ विद्यार्थियों का बहुआयामी विकास करने वाली शिक्षण संस्था ही अपना महत्त्व स्थापित कर सकती है। ज्ञान–विज्ञान में विद्यार्थी को निष्णात् बनाने के साथ उसे देश–समाज के प्रति संवेदनशील बनाना, उसे सदाचारी, सत्याग्रही, नैतिक बनाने के साथ सुसंस्कृत करना भी शिक्षण संस्था का महत्त्वपूर्ण कार्य है। अपने आस–पास के सामाजिक परिवेश से सीखने और उस परिवेश को प्रभावित करने वाली शिक्षण संस्था की समाज में भी स्वीकार्यता बढ़ती है। महाराणा प्रताप पी0जी0 कालेज, जंगल धूसड़ उक्त वैचारिकी अधिष्ठान पर अपना निरन्तर विकास कर रहा है, यह स्वागत योग्य है। यही कारण है कि इस संस्था को अनेक सामाजिक कार्यकर्ताओं का सहयोग और उनकी निःशुल्क सेवाएँ प्राप्त हो रही हैं। उक्त बातें महाराणा प्रताप पी0जी0 कालेज, जंगल धूसड़ में आन्तरिक गुणवत्ता सुनिश्चियन प्रकोष्ठ की समीक्षा बैठक को सम्बोधित करते हुए विषय विशेषज्ञ दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय कार्यपरिषद् के सदस्य वरिष्ठ अधिवक्ता श्री प्रमथनाथ मिश्र ने कही।

बैठक में दूसरे विषय विशेषज्ञ सदस्य एन0डी0ए0 खड्गवासला के सेवा निवृत्त भौतिकवेत्ता डॉ0 राजेन्द्र भारती ने कहा कि उच्च शिक्षा की कक्षाएँ संवाद, प्रश्नोपप्रश्न, मौलिक विचार एवं मौलिक शोध केन्द्रित होनी चाहिए। शिक्षक–विद्यार्थी एक दूसरे से पढ़े–पढ़ाएँ, अपने विषय में निरन्तर नये चिन्तन, नए विचार, नयी तकनीक, नए तौर–तरीके की अध्यापन से उच्च शिक्षा को प्रासंगिक बना सकते हैं। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, राष्ट्र–समाज केन्द्रित शिक्षा, सृष्टि के कल्याण हेतु, संवेदनशील शिक्षा ही मनुष्य और समाज में अपने को प्रासंगिक बना पाऐगी।

तीन सत्रों में सम्पन्न आन्तरिक गुणवत्ता सुनिश्चय प्रकोष्ठ की बैठक में पठन–पाठन की गुणवत्ता के साथ–साथ शैक्षिक पंचाग के अनुपालन, दायित्वसह कार्य की गुणवत्ता, पुस्तकालय एवं प्रयोगशाला की गत तीन माह की प्रगति, आवश्यक नए उपकारणों की आपूर्ति, कक्षाध्यापन में नए प्रयोग, विभागीय योजनाएँ, सामूहिक व्यक्तित्त्व विकास योजना, साप्ताहिक स्वैच्छिक श्रमदान, छात्र–छात्राओं द्वारा साप्ताहिक कक्षाध्यापन, पाठ्यक्रम योजना के अनुसार कक्षाओं का संचालन, गोद लिए गए विद्यार्थियों की प्रगति, निःशुल्क सिलाई–कढ़ाई, निःशुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण, प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रमों का समुचित संचालन, मासिक मूल्यांकन, तकनीकी प्रसार, विविध शैक्षणिक गतिविधियों, शोध–परक प्रयत्न इत्यादि पर बिन्दुआर समीक्षा की गई। वार्षिक–योजनानुसार प्रगति पर सभी ने प्रसन्नता व्यक्त की।

समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य डॉ0 प्रदीप राव ने सभी का स्वागत किया तथा अन्त में आभार व्यक्त किया। बैठक में सभी विभागों एवं सभी संकायो प्रभारी ने अपना–अपना वृत्त प्रस्तुत किया। महाविद्यालय के कुल 68 शिक्षकों ने बैठक में हिस्सा लिया।

(डॉ0 राजेश शुक्ला)

सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी